कोयला[kkuHkfo"; निधि (कर्मचारी,oalsokdh अवस्थाएं) विनियमा

वली 1964

(जून1988rd;Fkkसंशोधित)]

COAL MINES PROVIDENT FUND (STAFF & CONDITIONS OF

S E R V I C E) R E G U L A T I O N S 1 9 6 4

(AS MODIFIED UPTO JUNE, 1988)

(भारतdsjkti=la-40]
dsभाग II, /kkjk3( ), fnukad
3vDVwcj]1964esaप्रकाशित)

(Published i
Gazette c
3r

GOVERNMENT OF INDIA

Hkkjrljdkj
सामाजिकlqj{kkविभाग

DEPARTMEN

Dated, New D

N O

ubZfnYyh]fnukad21flracj]1964

G.S.R.1413Thefollowin
BoardofTrusteesoftheCoalMines

अधिसूचना

सा.का.नि. 1413 निम्नलिखित विनियम जिन्हें कोयला खान भविष्य निधि के
U;klhबोर्ड}kjkdsUnzljdkjdsअनुमोदनls1कोयला[kkuHkfo";निधिअधिनियम,1948

Central Goverment-

1.[in pursuance of sub-section (5) of section 3C of the Coal Mines Provident Fund Act, 1948 (46 of1948)]
are publishedfor general information,namely:-

(1948 का 46) की धारा 3 ग की उप-धारा (5) के अनुसारcuk;k x;k gS] lkekU;
प्रकाशित किए जाते हैं,, जिनका नाम हैः-

1. thewords,figuresandbrac

---

paragraph 24 of theCoal MinesProvident Fund Scheme " substituted by thewords, figures andbrackets
"in pursuance ofsub-section (5) of section

1- 'kCn]vadrFkkकोष्ठक,‘‘कोयला[kkuHkfo";निधिLdhedsifjPNsn24ds
mi&ifjPNsn(2)dsvuqlkj**lk-dk-fu-151fnukad19-2-1983dsआलोकesa
शब्दों, अंको तथा ‘‘कोयला खान भविष्य अधिनियम, 1948 (1948 का
46) की धारा 3 ग की उप-धारा (5) के अनुसारद्वारा प्रतिस्थापित।

3C of the Coal Mines P
151 dated 19.2.1983.

(deZpkjh कोयला[kkuHkfo";निधि

TH
AND CO

rFkklsokdhअवस्थाएं)fofu;e196

1-laf{kIr'kh"kZdrFkkvkjaHk &(1)buविनियमोंकोकोयला[kkuHkfo";निधि (कर्मचारी तथा सेवा की अवस्थाएं) विनियमावली, 1964 कहा जाए ।

(2) ये विनियम तत्काल प्रभाव से लागू होंगे ।

1. Short title and commencement - (1) These Regulations may be called the Coal Mines ProvidentFund(StaffandConditions ofService)Regulations,1964.

(2)These regulationsshall comeintoforce at once.

2- प्रयोज्यrk - ये विनियम संगठन के प्रत्येक पूर्णकालिक कर्मचारी पर लागू

2. Application -These

बशर्ते कि किसी सरकारी कर्मचारी अथवा किसी स्थानीय प्राधिकरण अथवा सांविधिक laxBudsfdlhdeZpkjh]ftldhlsok,amDrlaxBu}kjkप्रतिनियुक्तिijप्राप्तdhxbZgS vFkokप्राप्तdhtkldrhgS]को,slhशर्तों,oaअवस्थाओं}kjkfu;af=rfd;ktk,tSlh fu;qfDrप्राधिकारी}kjkdsUnzljdkjdsijke'kZlsLFkkfirgSac'krsZfd,slkO;fDrmDr संगठन के अतंर्गत सेवा के दौरान अनुशासन एवं आचरण के संबंध में इन विनियमों द्वारा नियंत्रित होगा।

बशर्ते कि संविदा अथवा आवधिक आधार पर नियुक्त किसी कर्मचारी को ऐसी सीमा तथा ऐसी अवस्थाओं के अनुसार छूट दी जा सकती है जैसी नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं परंतु नियुक्ति प्राधिकारी उक्त बोर्ड को उस पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा ।

c'krsZ fd आयुक्त के मामले में, वह उक्त अधिनियम एवं उक्त अधिनियम एवं उक्त LdhedsउपबंधोंfrFkkmldhfu;qfDrdhशर्तोंtSlhdsanzljdkj}kjkLFkkfirdhtk,]ds अनुसार इन विनियमों द्वारा नियंत्रित होगा।

employeeoftheOrganisation.

Provided that a Government servant or an employee of a local authority or anystatutoryorganisation,whoseserviceshavebeenormaybeobtainedon deputation by the Organisation may be governed by such terms and conditionsas maybesettledbytheappointingauthorityinconsultationwiththeCentral Government subject to the condition that such a person shall be governed by these Regulationsinrespectofdisciplineandconductduringhisserviceunderthe Organisation.

Providedfurther thatanemployeeappointedoncontractor tenure basis maybeexemptedfromtheseRegulationstosuchextentandsubjecttosuch conditionsasmaybespecifiedbytheappointingauthoritybuttheappointing authority shallsubmit areport thereon tothe Board.

3- <u>ifjHkk"k</u> - इन विनियमों में जब तक संदर्भ अन्यथा अपेक्ष्ित न हो,

Provided further that in
by these Regulations subject to th

*(क) ^ अधिनियमlsrkRi;Zकोयला[kkuHkfo";निधि^^rFkkfofo/kmica/k अधिनियम, 1948 (1948 का 46)'' से है ;

(ख) बोर्ड से तात्पर्य ** ^^ उक्त अधिनियम की धारा 3 क की उप-धारा (1)'' के अतंर्गत गठित न्यासी बोर्ड से है ;

* fofu;e3ds[kaM(क)esa'kCnvadrFkkकोष्ठकlk-dk-fu151fnukad19-2-1983ds आलोक में शब्दों, अंकों तथा कोष्ठकों ''तथा विविधि उपबंध अधिनियम, 1948 (1948 का 46)'' द्वारा प्रतिस्थापित।

** विनियम 3 के खंड (क) में शब्द, अंक ''उक्त स्कीम के परिच्छेद 3'' सा.का.नि. 151 दिनांक 19.2.1983 के आलोक में शब्दों तथा अंको ''उक्त अधिनियम की धारा 3 क की उप-धारा (1)'' द्वारा प्रतिस्थापित।

terms of his appointment as maybelaiddown bythe Central government.

3. <u>Definitions</u>- In theseRegulations, unless the context otherwiserequires -

* (a) 'Act' means the CoalMines Provident Fund " and Miscellaneous ProvisionsAct, 1948 (46of1948)"

(b) 'Board'means the Board of Trustees constituted under ** " sub-

section (1)ofsection 3AoftheAct ".

----

*thewords,figuresandbracketsinclause(a)ofregulation3substitutedbythe words, figures and brackets " and Miscellaneous ProvisionsAct, 1948 (46 of 1948)" vide G.S.R. 151 dated 19.2.1983

** the words and figures " paragraph 3 of the scheme" in clause (b) of regulation 3 substituted by the words and figures" sub-section (1) of section 3Aof theAct " vide G.S.R. 151 dated 19.2.1983.

(ग) ^vk;qDr* ls rkRi;Z [1]उक्त अधिनियम की धारा 3 क की उप-धारा (1)ds varxZr नियुक्त कोयला खान भविष्य निधि आयुक्त से है ;

(घ) ^deZpkjh*lsrkRi;Zfdlhfu;qDrvFkokmDrlaxBuds कर्मचारियोdslaoxZls संबंधित व्यक्ति ;

(c)'Commissioner'meanstheCoalMinesProvidentFundCommissioner appointed under*[Sub-section (1)ofSection3C of theAct]

(d)'Employee' means a person appointed to orborne on the cadre of the Staff of theOrganisation :

(e)'Organisation'means the Coal Mines ProvidentFundOrganisation

(ड) ‘संगठन’ से तात्पर्य कोयला खान भविष्य निधि संगठन से है; (f) 'Post' means a post under the

(च ^ inls rkRi;Z mDr laxBu ds varxZr fdlh in ls gS (

(छ ‘स्कीम’ से तात्पर्य इन विनियमों के लिए स्कीम से है;

(ज ^lsok* ls rkRi;Z laxBu ds varxZr lsok ls gS(

(झ [1]‘स्कीम’ से तात्पर्य अधिनियम के अंतर्गत कोयला खान भविष्य निधि स्कीम तथा अन्य स्कीमों से हॅ ;

(ण buविनियमोंesaप्रयुक्तijarqvifjHkkf"krvU;lHkh'kCnrFkkvfHkO;fDr;kaog क्रमशः तात्पर्य रखेंगे जो अधिनियम, स्कीम तथा केन्द्र सरकार के कर्मचारियों की समरूप श्रेण्िायों पर लागू नियमों में

4- ekeystksविनियमों}kjklekfo"VughagS &osru,oaभत्तो,अधिवर्षिता पदावनति, सेवानिवृति लाभ, अनुशासन, आचरण तथा सेवा की अन्य अवस्थाओं से संबंधित मामले ftudsfy,buविनियमोंesकोईmica/kughagSvFkokvi;kZIrmica/kfd;kx;kgS][11]और/अथवा कोयला खान भविष्य निधि (क नियम, 1982[11], केन्द्र सरकार के कर्मचारियों की समरूप श्रेण्िायों पर समय-समय पर लागू नियम वैसे संशोधनों एवं प केन्द्र सरकार के अनुमोदन से चाहें, समय-समय पर आदेश, विनिर्देश द्वारा लागू होगें। 1 4d- विशेषप्रतिनिधित्व&पदोंdhfofHkUuश्रेण्िायोंftUgsalh/khHkrhZvFkokप्रोन्नति}kjk भरा जाना आवश्यक है, पर भर्ती अनुसूचित जनजातियों अथवा व्यक्तियों dhकिन्हीं अन्य श्रेण्िायों जैसी हांे, के लिएवैसे आरक्षणों एवं प्रतिनिधित्वों के अ समय पर केन्द्र सरकार द्वारा जारी निदेशों के आधार पर आयुक्त द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं।

v/;k;k II & प्रशासन

5- पदों का सृजन - केन्द्र सरकार तथा बोर्ड पदों के सृजन के लिए वैसी शक्तियों का प्रयोग djsaxstSlhअधिनियम[111]esaLFkkfirgaSऔरबोर्डv/;{k]vk;qDrrFkklaxBudsvU; अधिकारी इस संबंध में वैसी शक्तिय उन्हें बोर्ड द्वारा प्रत्यायोजित की जाती gSaA

(g)'Schedule' means a Schedule tothese Regulations

(h)'Service' means service underthe Organisation

(i)*'Scheme' meansthe CoalMines ProvidentFundScheme and other Schemes framed under theAct

(j) All other words and expressions used in these Regulations but not defined shall have the meanings respectively assigned to them in the Act, Scheme and the rules applicabletocorrespondingclasses ofCentral Government servants.

4. CasesnotcoveredbyRegulations- Inrespect of mattersconcerning the pay andallowances,superannuation,promotion,demotion,retirementbenefits, discipline, conduct and other conditions of service for which no provision or insufficient provision has been made inthese Regulations, **and/or in the Coal Mines ProvidentFund(Employees'Recruitment) Rule1982 s **therules

applicable,fromtimetotime,tothe correspondingcategoryofCentral Government Servants shall apply subject to such modifications and variations as the Commissioner may, with the approvalof the CentralGovernment,by order, specify from timeto time.

1 4A. SpecialRepresentation.-Therecruitmenttovariouscategoriesofposts which are required to befilled by direct recruitment or promotion, shall be subject to such reservations or representations for *Scheduled Castes and Scheduled Tribes or for any other categoriesof persons as may, from time totime, be specified by the ,

Commissioner on the basis of thedirections issuedbytheCentral Government.

CHAPTER II. - Administration

5. Creation of posts - The Central Government and the Board shall exercise powers in the matter of creation of posts as are laid down in theAct*** and the Chairman of the Board, Commissioner and other officers of the Organisation

[1]Hkkjr ds lfo/kku esa ;Fkk ifjHkkf"kr A

shall exercisesuchpowersinth

1. अधिसूचना सं. ए.12027(1)/75-पीएफ। दिनांक 20.11.76 के आलोक में अंतःस्थापित ।[1] विनियम 3 का खंड (ग) सा.का.नि. 151 दिनांक 19.2.1983 के आलोक में संशोधित ।[1] विनियम 3 का खंड (झ) सा.का.नि. 151 दिनांक 19.2.1983 के आलोक में प्रतिस्थापित ।[11] fofu;e 4सा.का.नि. 151 दिनांक 19.2.1983 के आलोक में संशोधित ।

*As defined in the Constitution o
1. Inserted vide Notification No.A
*clause. (i) of regulation 3 subst
**Regulation 4 amended vide G.

6- [1][ ]

7- [11][ ]

8- नियुक्ति प्राधिकारh &(1) [111]dsanz ljdkjअधिनियमdh/kkjk3(ग)dhmi&/kkjk(2)dsnk;jsesavkusokysअधिकारियोंdsपदोंijकोयला[kku Hkkfo";निधि(कर्मचारियोंds भर्ती) नियम, 1982 के अनुरूप नियुक्ति करेगी।[111]

(2) उप-विनियम (1) में संदर्भित उन अन्यथा पदों पर नियुक्ति आयुक्त अथवा इस बारे esaबोर्ड}kjkप्राधिकृतlaxBudsfdlhvU;अधिकारी}kjk1 ''कोयला[kkuHkfo";निधि(कर्मचारियों के भर्ती) नियम, 1982''ds vuq:i dh tk,xhA

v/;k;k III &lsokdhlkekU;voLFkk,a

9- @[ ]

10- pfj=,oaiwoZ -(1)laxBuesaपदोंijfu;qfDrdsfy,vH;FkhZdkpfj=,oa iwoZo`rle:iosruekuesadsUnzljdkjdsकर्मचारियोंdhfu;qfDrdsekeysesyk xwlkis{k नियमों के अनुरूप सत्यापित किया जाएगा ।

(2)laxBuesafdlhinijfu;qfDrdsfy,p;furfdlhLFkk;hvFkokvLFkk;h सरकारी कर्मचारी अथवा स्थानीय प्राधिकरण अथवा सांविधिक संगठन के किसी कर्मचारी के चरित्र ,oaiwoZo`rdklR;kiuvuko';dekuktkldrkgS];fnmldspfj=,oaiwoZo`rigysgh सत्यापित किया जा चुके हों और वह सरकार अथवा स्थानीय प्राधिकरण अथवा सांविधिक संगठन, जैसी भी स्थिति हो, के अंतर्गत सेवा के लिए उपयुक्त पाया गया हो बशर्ते उसकी सेवा में विखंडन न हो ।

11- lsok dk vkjaHk - सेवा उस कार्य दिवस से आरंभ होगी जिस पर कोई कर्मचारी किसी lekfo"V fu;qfDr esa 2कोयला खान भविष्य (कर्मचारी के भर्ती) नियम, 1982

12 £[ ]

13 ofj"Brk & fdlh xzsM esa fdlh deZpkjh dh ofj"Brk le;≤ ij इस बारे में अनुदेशों के अनुरूप निर्धारित होगी ।

---

[1] विनियम 6 सा.का.नि. 468 दिनांक 22.5.1982 के आलोक में अधिक्रमित ।[11] fofu;e 7सा.का.नि. 468 दिनांक 22.5.1982 के

@fofu;e 9सा.का.नि. 151 दिनांक 19.2.1983 के आलोक में लुप्त ।

2. विनियम 11 में, शब्द ''इन विनियमों द्वारा'' सा.का.नि 151 दिनांक 19.2.1983 के आलोक में

£ विनियम 12 सा.का.नि. 151 दिनांक 19.2.1983 के आलोक में लुप्त।

111 विनियम 8 सा.का.नि. 151 दिनांक 19.2.1983 के आलोक में प्रतिस्थापित।

7 **[ ]

8. Appointingauthority-(1)***TheCentralGovernmentshallmake appointment to the posts of officers coming within the purview of sub-section (2) of section 3C of theAct in accordance with the provisions of the Coal Mines Provident Fund (Employees' Recruitment) Rules, 1982.***

(2) Appointmenttopostsotherthanthosereferredtoinsub-regulation(1) shallbemadebytheCommissioneroranyotherofficeroftheOrganisation authorisedby theBoardin thisbehalf,inaccordancewithCoalMinesProvident Fund (Employees' Recruitment) Rules, 1982".

CHA PTER III - General conditions of service.

9. @[ ]

10. Characterandantecedent -(1)Thecharacterandantecedentofthe candidateforappointmenttopostsintheOrganisationshallbeverifiedin accordancewithrelevantrulesapplicableinthecaseofappointmentofCentral Government servants incorrespondingscaleofpay.

(2)InthecaseofapermanentortemporaryGovernmentservantoran employee of a local authority or statutory organisation, selected for appointment to any post in the Organisation, thverification of character and antecedents may be dispensed with, if his character andantecedent have already been verified and he hasbeenfoundfitforserviceunderGovernmentorlocalauthorityor S tatutory Organisation, as the casemaybeprovidedtherewas nobreak inhis service.

11. Commencementof service-Service shallcommencefromthe working day on which an employee reports for duty in an appointment covered[by the Coal

12. £ [ ]

13. Seniority - Seniority of an employee in any grade shall be determined in accordance with the instructions issued in this behalf by the Central Government from timeto time.

* Regulation 6 superseded vide GSR 468 dated 22.5.1982.

** Regulation 7 superseded vide GSR 468 dated 22.5.1982.

@ Regulation 9 omitted vide GSR 151 dated19.2.1983

2. In regulation 11, for the words "by these regulations" substituted by the andfigures"bytheCoalMinesProvidentFund(Employees'Recruitment Rules, 1982" vide GSR 151 dated19.2.1983

£ Regulation 12 omitted vide GSR 151 dated 19.2.1983.

***Regulation 8 substitutedvideGSR 151 dated 19.2.1983.

(3)

14- नियोजन की समाप्ति - (1) किसी अस्थायी कर्मचारी, की नियुक्ति किसी भी पक्ष द्वारा fyf[kr :i esa,dekgdh lwpukvFkokblds LFkkuijmls fn,tkjgsosrurFkkHkRrs ij अथवा जैसा नियुक्ति पत्र में व्यक्त है, के अनुसार समाप्ति योग्य होगी।

बशर्ते कि किसी निश्चित अवधि के लिए अस्थायी हैसियत मे नियुक्त कोई व्यक्ति उस अवधि की समाप्ति पर जिसके लिए नियुक्ति की गई थी, किसी भी पक्ष द्वारा बिना सूचना के संगठन की सेवा से मुक्त हो सकता है।

(2) कोई भी स्थायी सेवा का कर्मचारी संगठन के अंतर्गत अपने नियुक्ति प्राधिकारी को lsokछोड़नेdsviusअभिप्रायdhrhueghusaigysfyf[krlwpukfn,fcukviuhlsokugha छोड़ेगा। उपर्युक्त उपबंध के किसी कर्मचारी द्वारा उल्लंघन की स्थिति में वह ऐसे उल्लंघन के लिए क्षतिपूर्ति के रूप में

उक्त निधि को वह राशि जो उस निर्धारित अवधि जितनी तक सूचना वास्वतिक रूप में दी जानी थी, से कम रह गई अवधि के लिए भुगतान जो उस अवधि के उसके वेतन से अधिक न हो, करने के लिए जिम्मेदार होगा बशर्ते कि ऐसी क्षतिपूर्ति का भुगतान, किसी वैयक्तिक मामले में, नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा हटाया जा सकता है।

(3) जब, किसी स्थायी पद की समाप्ति के कारण, उक्त निधि की स्थायी सेवा का कोई deZpkjhmDrनिधिdhlsoklseqDrfd;ktk,xk]ogmldhfu;qfDrlekIrdjusds अभिप्राय को प्रकट करने वाली तीन कैलेडर महीनों से पूर्व की सूचना अथवा, इसके स्थान पर, उस निर्धारित अवधि जितनी तक सूचना वास्वतिक रूप मे दी जानी थी, से कम रह गई अवधि के लिए अपने वेतन के समतुल्य राशि का हकदार होगा।

c'krsZfdLFkk;h lsok ds fdlhdeZpkjh dhlsok,a bl fofu;e ds varxZr rcrd समाप्ति योग्य नहीं होगी जब तक उसी ग्रेड के किसी पद को उसी नियुक्ति प्राधिकारी के अंतर्गत fdlh dfu"B O;fDr }kjk /kkfjr fd;k tkuk tkjh jgrk gSA

बशर्ते पुनः कि ऐसे किसी कर्मचारी को उसकी योग्यता एवं अनुभव के उपयुक्त किसी oSsdfYidfu;qfDr;fnfjfDrहो,dkप्रस्तावfd;ktkldrkgS];fnogmlfu;qfDrको Lohdkj djrk gS] mldh lsok lekIr ugha dh tk,xhA

(4) उप-विनियम (1), (2), तथा (3) के उपबंधों के बावजूद किसी कर्मचारी की सेवाएं मेडिकल बोर्ड द्वारा संगठन में सेवा के लिए स्थायी रूप से अशक्त प्रमाण्िात किए जाने पर नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा एक माह की सूचना अथवा उसके स्थान पर वेतन तथा भत्ते देने के बाद समाप्त की tk ldrh gSA

(5) उप-विनियम (1), (2), तथा (3) के अंतर्गत अस्थायी अथवा स्थायी कर्मचारी की सेवा समाप्ति अथवा उसकी सेवाओं की समाप्ति की उसकी सूचना को स्वीकार करने की शक्ति नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा प्रयोग की जाएगी।

(6) ऐसे अधिवर्षिता लाभों तथा अन्य लाभों जो उप-विनियम (4) में संदर्भित किसी उस कर्मचारी के लिए स्वीकार्य हो सकते हैं जो अपनी सेवा समाप्ति की तारीख पर सेवा से निवृत्त हो गया होता, की इन विनियमों के उपबंधों तथा केन्द्र सरकार द्वारा निर्मित सापेक्ष नियमों के अनुरूप उसे vuqKk dh tk,xhA

14. Termination of employment - (1) The appointment of a temporary employee shall be liable to termination at any time on one month's notice in writing or pay plus allowancesin lieuthereof beinggivenby either party or asstated intheletter of appointment.

Provided that a person appointed in a temporary capacity for a definite period may be discharged from the service ofthe Organisation without any notice from eitherside on theexpiry ofthe periodfor whichtheappointmenthas been made.

(2)Noemployeeinpermanentserviceshallquithisserviceunderthe Organisationwithoutfirstgivingthreecalendarmonths'noticeinwritingofhis intentiontodosotohisappointingauthority.Intheeventofabreachbyany employeeoftheaboveprovision,heshallbeliabletopaytotheFundas compensation forsuch breach, a sum not exceeding his pay for the period by which the period of notice actually givenfalls short of the period prescribed, provided that the payment of such compensation may, in any individual case, be waived by the appointing authority.

(3)When,owingtotheabolitionofapermanentpost,anemployeeinthe permanent service ofthe Fundisdischargedfromthe Fund'sservice,he shallbe entitled to three calendar months' notice signifying the Fund's intention to terminate hisappointmentor,in lieu thereof,a sumequivalentto his pay for theperiod by which thenotice actuallygiven,falls shortofthe prescribedperiod.

Providedthattheservicesofanemployeeinpermanentserviceshallnotbe liable to termination under this regulation, so long as any post of the same grade and under the same appointing authority continues to be held by any person junior to him.

Providedfurtherthatsuchanemployeemaybeofferedanalternative appointmentsuitabletohisqualificationsandexperience,ifvacant,andifhe accepts thatappointment,his

serviceshallnot beterminated

(4)Notwithstandingtheprovisionsofsub-regulations(1),(2)and(3)the servicesofanyemployeemaybeterminated bytheappointingauthorityafter givingonemonth'snoticeorpayplusallowancesinlieuthereofonhisbeing certified by the Medical Board to be permanentaly incapacitated for further service in the Organisation.

(5)The power to terminate service of temporary or permanent employee or to accept his notice for termination of his services under sub-regulations (1), (2) and (3) shall be exercisedbythe appointing authority.

(6)Any superannuation benefits and other benefits, which may be admissible to an employee referred to in sub- regulation (4) had he retired from service on the date of termination of his service, shall beallowed to him in accordance with the provisionsoftheseRegulationsandtherelevantrulesmadebytheCentral Government.

(4) (4)

15- fpfdRlk mipkj &(1) संगठन का प्रत्येक कर्मचारी तथा उसका परिवार कोय yk [kku कल्याण निधि से संबंधित fdlh केंद्रीय अथवा क्षेत्रीय अस्पताल अथवा उस कोयला कंपनी जिसके साथ संगठन ने चिकित्सा उपलब्ध करवाने के लिए व्यवस्था की है, से संबंधित किसी अस्प rky esa fu 'kqYd fpfdRlk mipkj क हकदार होग।

(2)tgkami&fofu;e(1)easalanfHkZrप्रकारdkकोईvLirkyuहो,dsasnzh;lsok (मेडिकल अटेंडैंस) नियमावली, 1964, समय-समय पर यथा संशोधित, आवश्यक परिवर्तनों सहित कर्मचारियों तथा उनके परिवार पर लागू होगी।[1]

15. Medical treatment - *(1) Every employee of the Organisation and his family shall be entitled to medical treatment free of charge at any of the hospitals, Central or Regional, belonging to Coal Mines Welfare Fund or to any hospital belonging to anycoalcompanywithwhichtheorganisationhasanarrangementofproviding such treatment.

(2) Where there is no hospital of the kind referred to in sub-regulation(1)theprovisionsoftheCentralService(MedicalAttendance) Rules,1964,asamendedfromtimetotime,shall *mutatis mutandis* ,applytothe employees and hisfamily.*

---

[1]fofu;e15dsmi&fofu;e(1)ls(5)dk-vk-626]fnukad15-3-1980dsआलोकesa प्रतिस्थापित।

*Sub-regulations(1)to(5)o 15.3.1980.

(5)

16- lsok vfHkys[k

vuqj{k.k fd;k tk,xkA

(2) एक स्थापना सूची का भी अनुरक्षण किया जाएगा जिसमें भिन्न-भिन्न ग्रेडों में सभी कर्मचारियों के नाम वरिष्ठता क्रम में, पद जिनमें वे कार्यरत हैं, उनके ग्रेड तथा उनकी सेवा संपुष्टि की तिथि, उनके वेतन तथा अगली वेतनवृदधि की frfFk] tUefrfFk] lsok vkjEHk dh frfFk rFkk lsok की अवधि दर्शाए जाएं।

17- अधिवर्षितkykHk &fdlhljdkjhlsodvFkokfdlhLFkkuh;प्राधिकरणvFkok सांविधिक संगठन के कर्मचारी, के अलावा अन्य सभी कर्मचारी, समय-समय पर केन्द्र सरकार के समान कर्मचारियों पर यथा प्रयोज्य केन्द्र सरकार के अनुमोदन से बोर्ड द्वारा किए गए संशोधनों के vuqlkj;kतो

18- अधिवर्षि &कोयला[kkuHkfo";निधिdsअधिकारियों,oavU;कर्मचारियोंds vfuok;Z,oaLoSfPNdlsokfuo`frfu;a=.kdsfy,]vk;qrFkkvoLFkk,aoSlhहोंगीtSlhd sUnz सरकार के कर्मचारियों की समरूप श्रेणियों के संबंध मे केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित

v/;k; IV &osru]HkRrsrFkkNqfVV~;ka

19- osrueku - संगठन के अंतर्गत विभिन्न पदों के लिए वेतनमान साधारणतया समरूप के लिए केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकृत वेतनमान के अनुरूप होगा। संगठन के अंतर्गत विभिन्न पदों के लिए वेतनमान वैसा होगा जैसा कोयला खान भविष्य निधि (कर्मचारी भर्ती) नियम, 1982 की

20- HkRr &laxBudsdeZpkjhmuदरोंijegaxkbZrFkkvU;HkRrsप्राप्तdjsxstSlh समय-समय पर समान स्थानीय स्थापनाओं में केन्द्र सरकार के समान कर्मचारियों के लिए स्वीकृत हो।

21- osru - नियुक्ति के आरंभ पर वेतन निर्धारण, वेतनमानों की स्वीकृति, पर वेतन निर्धारण, केन्द्र सरकार द्वारा निर्मित नियमों के अनुरूप विनियमित किया जाएगा।संदेह की स्थिति मे केन्द्र सरकार से आदेश प्राप्त किए जाएंगे।

16. Record of service : (1) A service book shall bemaintained in respect of each employee ofthe Fund.

(2)Anestablishmentlistshallalsobemaintained showing thenamesofallemployeesindifferent gradesin orderofseniority,the posts in which they are acting, their grade and dates of their confirmation, their pay and date of next increment, date of birth and date of starting service and length of service.

17. SuperannuationBenefits -AllemployeesotherthanaGovernment servantoranemployeeofalocalauthorityorstatutoryorganisation,shallbe entitled to thesuperannuation benefits either * [Contributory Provident Fund Rules (India), 1962] or liberalised pension-cum-gratuity scheme as applicable to similar Central Government employees from time to time subject to such modification as may bemadeby theBoardwiththeapprovalofthe CentralGovernment.

18. Superannuation - Theageofand conditions governingcompulsory and

voluntary retirement of officers and other employees of the Coal Mines Provident Fund from the service of the Fund shall be the same as may be prescibed from time to time by the Central Government in respect of corresponding categories of Central Government employees.

CHAPTER IV- PAY, ALLOWANCES AND LEAVE

19. Scales of - The scales of pay for various posts under the shall generally be inaccordance with the scales of pay sanctioned by the Central Government for similar posts. The Scales of pay attached to various posts under the Organisation shall be as set out in ** [Schedules to the Coal Mines Provident Fund (Employees' Recruitment)Rules,1982.]**

20. Allowances - The employees of the Organisationshall receive dearness andotherallowancesatsuchratesasmaybesanctionedforsimilarCentral Government servants inthesame localities from timetotime.

21. Fixationofpay -Thefixationofpayoninitialappointment,grantof increments, fixation of pay on promotion, shall be regulated in accordance with the relevantrulesmadebytheCentralGovernment.Incaseofdoubt,ordersofthe Central Government shall be obtained.

---

[1]fofu;e17esa]'kCnrFkkvad^^Hkfo";निधिdk;kZy;LFkkiuk(अंशदायीHkfo";निधि)नियमावली (भारत), 1952’’ सा.का.नि. 151 दिनांक 19.2.1983 के आलोक में शब्दों तथा अंको ‘‘अंशदायी भविष्य निधि नियमावली (भारत) 1962’’ द्वारा प्रतिस्थापित।

[11]fofu;e19esa]'kCnrFkkvad^^vuqlwfp;ka**'kCn rFkkvad**lk-dk-fu-151fnukad 19.2.1983 के आलोक मंे शब्दों तथा अंकों ‘‘कोयला भविष्य निधि (कर्मचारी भर्ती) नियम, 1982 की अनुसूचियों’’ द्वारा प्रतिस्थापित।

* In regulation 17, the words and figures, " under the Coal Mines Provident Fund Office Establishment (Contributory Provident Fund) Rules 1952" substituted by the words and figures "Contributory Provident Fund Rules (India) 1962" vide G.S.R.

151 dated 19.2.1983

** In regulation 19, forthe words andfigures"Schedules-I", the words andfigures " "SchedulestotheCoalMineProvidentFund(Employees'Recruitment)Rules, 1982" substituted vide G.S.R.151 dated19.2.1983.

(6)

22- NqV~Vh ,oa NqV~Vh osru - संगठन के कर्मचारियों को @[समय-समय पर यथा संशोधित dsanzh;flfoylsok,a(छुट्टी)नियमावली,1972]@ tSlhle;≤ijdsUnzljdkjds कर्मचारियोंdhle:iश्रेण्ियोंijykxwgS]dsvuq:iNqV~VhdhvuqKkdhtk,xhflok; प्रतिनियुक्त पर स्थानीय प्राधिकरण अथवा सांविधिक संगठनों के कर्मचारियों के जिनके छुट्टी एवं छुट्टी वेतन उनके पैतृक विभागों के परामर्श से प्रतिनियुक्ति की शर्तो एवं अवस्थाओं द्वारा नियंत्रित होंगे।

23- योगदाuअवधि,oa;k=kHkRrk &laxBudsdeZpkjhdsUnzljdkjdsleku कर्मचारियांे पर लागू केन्द्र सरकार के सापेक्ष नियमों के अनुरूप योगदान अवधि एवं यात्रा भत्ते के हकदार होंगे।

24- vkdfLed NqV~Vh - संगठन के सभी कर्मचारियों को केन्द्र सरकार के समान कर्मचारियों ds fy, le;≤ ij ;Fkk Lohdk;Z vkdfLed NqV~Vh dh vuqKk dh tk ldrh gSA vk;qDr dh vkdfLedNqV~Vhle;≤ijdsanzljdkjdsअनुदेशोंdsvuq:ifofu;ferहोगी।अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की आकस्मिक छुट्टी आयुक्त अथवा जहां आयुक्त अथवा बोर्ड द्वारा ऐसा प्राधिकृत हो, किसी अन्य अधिकारी द्वारा वैसी अवस्थाओं एवं सीमाओं जैसी उस प्राधिकृति में fofufnZ"V dh tk,a] ds vuqlkj Lohd`r dh tk,xhA

25- छुट्टी स्वीकृत करने के लिए सक्षम प्राध्िkdkjh %&

(1) छुट्टी स्वीकृत करने के लिए सक्षम प्राधिकारी इस प्रकार होंगेः-

22. LeaveandLeavesalary -Theemployeesoftheorganisationshallbe allowed leave in accordance with the @[Central Civil Services (Leave) Rules, 1972 asamendedfromtimetotime]@asmaybeapplicabletothecorresponding categoryof Central Government servants from time to time except inthe case of employees of local authority orstatutory organisations taken

on deputation whose leave and leave salary shall be governed by the terms and conditions of deputation settled in consultationwith theirparent departments .

23. JoiningtimeandTravellingAllowance -TheEmployeesofthe organisation shall be entitled to joining time and travelling allowance in accordance withrelevantrulesoftheCentralGovernments applicabletosimilarCentral Government servants.

24. Casual Leave - All employees of the organisation may be allowed leave as admissible to similar Central Government servants from time to time. The casual leave of the Commissioner shall be regulated in accordance with the Central Government instructions from time to time . The casual leave to other officers and employeesmaybesanctionedbytheCommissionerorwheresoauthorisedby CommissionerortheBoard,byanyotherofficersubjecttosuchconditionsand limitations as mybespecifiedin the suchauthorisation.

25. Competent authority to sanction leave

(1)Authorities co

NqV~Vhका प्रकाj	अधिकारी की श्रेणh	सक्षम स्वीकृति	Type ofleave
कोई भी छुट्टी vkdfLed NqV~Vh विनियम 24 लागू तथा विशेष NqV~Vh	कोयला खान भविष्य सभी अधिकारी एवं सिवाय कोयला खान निधि आयुक्त	कोयला खान vk;qDr	Any leaveotherthan Causalleave to which Regulation 24 applied and special disability leave
&ogh&	कोयला खान भविष्य vk;qDr	dsanz ljdkj	-do-
विशेष निःशक्तता छुट्टी	कोयला खान भविष्य सभी अधिकारी एवं कर्मचारी	dsanz ljdkj	Special disability leave

@विनियम 22 में, शब्द तथा अंक ''केंद्र सरकार की संशोधित छुट्टी नियमावली 1933'' सा.का.fu-151fnukad19-2-1983dsआलोकesaशब्दोंrFkkअंको^^le;≤ij;Fkkसंशोधित केंद्रीय सिविल सेवाएं (छुट्टी) नियमावली 1972'' द्वारा प्रतिस्थापित।

@In regulation 22, for the words and figures " Central Government Revised Leave Rules, 1933, "substituted by the words and figures " Central Civil Services (Leave) Rules, 1972 as amended from time to time "videG.S.R.151 dated 19.2.1983."

(7)

1(2)1न्यासी बोर्ड अथवा आयुक्त संगठन के समूह 'ग' एवं समूह 'घ' कर्मचारियों के मामलों में oSlh NqV~Vh Lohd`r djus ds fy, tSlh Lohd`r djus ds fy, vk;qDr Lo;a l{ke gSa] lewg ^d* एवं समूह 'ख' के किसी अधिकारी को प्राधिकृत कर सकता है। न्यासी बोर्ड अथवा आयुक्त द्वारा tSlhHkhfLFkfrहो प्राधिकृतfdlhअधिकारी

v/;k; V &vkpj.k,oavuq'kklu

26- fu;a=.kovuq'kkl &laxBudslHkhdeZpkjhvk;qDr}kjklapkyurFkkfu;a= अधीन होगें और आचरण, अनुशासन एवं नियंत्रण के ऐसे नियमों जैसे इसके बाद उपबंध किए जाए और ऐसे आदेशों जो इन विनियमों के विरूद्ध न हो. जैसे आयक्त समय-समय पर जारी करें. के द्वारा नियंत्रित होंगे।

27- deZpkjhdkvkpj &buविनियमोंdsउपबंधोंdsvuqlkj]laxBudsdeZpkjhml यथोचितvko';dपरिर्वतनोंlfgrvkpj.klafgrkdsv/khuहोगेजोdsUnzljdkjds कर्मचारियोंdsfy,dsanzljdkj}kjkfu/kkZfjrlfgrkdsle:iहोऔरdeZpkjhla?k dsanz सरकार के कर्मचारियों के सेवा संघ की मान्यता जैसी केन्द्र सरकार

(2) *[The Board of Trustees or the Commissioner may authorise any officer of Group 'A' and 'B' to sanction, in the case of group 'C' and group 'D' employees of the organisation such leave as the Commissioner himself is competent to sanction. Excercise of the powers by the officer so authorised by the Board of Trustees or the Commissioner,asthecasemaybe,shallbesubjecttosuchconditionsand limitationsastheBoardofTrusteesortheCommissionermayspecifyinthis regard.]*

CHAPTER V- CONDUCT AND DISCIPLINE

26. Control & : All employees of the Organisation shall be to the superintendence and control of the Commissioner and shall be governed by such rules of conduct, discipline and control as may hereinafter be provided or such orders, not being contrary to these Regulations as the Commissioner may from time to time pass.

27. Conduct of employees Subject to the provisions of these Regulations employeeoftheOrganisationbesubjectmutatis-mutandistoacodeofconduct similartotheoneprescribedbytheCentralGovernmentfortheCentral Government servants andthe employees associations shall be regulated by the rules regarding recognition of service Association of Central Government employees as

may belaid down by theCentral

28-2¹yqIr¹

28. 2*[Omitted]

29- किसी कानून अथवा अनुबंध द्वारा प्रदत्त अधिकारों एवं %&

29. Protection of right and

(1) Nothinginthe

(1) buविनियमोंesalsdqNHkhfdlhdeZpkjhकोmldsfdlhHkhअधिकार,oa विशेषाधिकार जिसका वह हकदार है, से वंचित नहीं करेगाः-

(क) वर्तमान समय मंे लागू किसी कानून द्वारा अथवा उसके अंतर्गत, अथवा

(ख),slsO;fDrrFkklaxBudschpdk;efdlhvuqca/kdhशर्तों}kjkA

employeeof any right orprivilege to whichheis entitled:-

(a) by orunderany law forthe timebeinginforce, or

(b) by the terms of any agreement subsisting between such personandthe Organisation.

1¹fofu;e25dkmi&fofu;e(2)lk-d-fu-151fnukad19-2-1983dsआलोकesa प्रतिस्थापित।

2. विनियम 28 सा.का.नि. 151 दिनांक 19.2.1983 के आलोक में लुप्त।

1. *Sub-regulation(2) of 19.2.1983.

2. Regulation 28 omitted

(8)

1

30- fuyacu &(1)fu;qfDrप्राधिकारीvFkokdsanzljdkjvFkokvk;qDr}kjkblgsrq शक्तिसंपन्न कोई अधीनस्थ प्राधिकारी अथवा कोई अन्य प्राधिकारी किसी कर्मचारी को निलंबन के v/khu j[k ldrk gSA

(क) tgkaकोईvuq'kklukReddk;Zokghmldsfo:)fopkj/khuहोvFkok लंबित हो, अथवा

(ख) जहां उसके विरूद्ध किसी आपराधिक आरोप के संबंध में कोई मुकदमा विवेचना अथवा जांच के अधीन हो।

c'krsZfdtgkafuyacuvkns'kfu;qfDrप्राधिकारीlsfuEurjfdlhअधिकारी}kjktkjh fd;ktk,],slkप्राधिकारीसीधेfu;qfDrप्राधिकारीकोmuपरिस्थितियोंftudsvarxZrmDr आदेश जारी किया गया, की रिपोर्ट करेगा।

(2) कोई कर्मचारी जो चाहे किसी आपराधिक आरोप में अथवा अन्यथा अड़तालीस घंटो की अवधिlsअधिकvfHkj{kkesagS]mlsvfHkj{kkesaj[kusdhrkjh[klsfu;qfDrप्राधिकारीds आदेश द्वारा निलंबित मान लिया जाएगा और वह अगले आदेश तक निलंबनाधीन रहेगा।

(3) जहां किसी कर्मचारी पर बर्खास्तगी, पदच्युति अथवा सेवा से अनिवार्य निवृति की किसी अधिरोपित सजा की इन विनियमों के अंतर्गत अपीलों अथवा समीक्षा को खारिज कर दिया जाता हैै और ऐसे मामले को अगले जांच अथवा कार्रवाई के किन्हीं अन्य निर्देशों के साथ छूट दी जाती है तो उसका निलंबन आदेश जारी व प्रवृत्त हो चुका माना जाएगा और इसे बर्खास्तगी, पदच्युति अथवा lsok ls vfuok;Z fuo`fr ds ewy vkns'kdh rkjh[kसे माना जाएगा और;gअगले आदेशों तक प्रवृत्त बना रहेगा।

(4) जहां किसी कर्मचारी पर बर्खास्तगी, पदच्युति अथवा सेवा से अनिवार्य निवृति की किसी अधिरोपितltkdsekeysdhपरिस्थितियोंijfopkjdjrsgq,fdlhU;k;ky;vFkok अनुशासनिक प्राधिकरण के किसी निर्णय के परिणामस्वरूप अथवा इन विनियमों के अंतर्गत अपीलों अथवा समीक्षा को खारिज कर दिया जाता है अथवा निष्प्रभावी घोषित किया अथवा बताया जाता है और उन आरोपों जिन पर बर्खास्तगी, पदच्युति अथवा सेवा से अनिवार्य निवृति की सजा वास्तव में अधिरोपित की गई , पर उसके विरूद्ध आगे जांच जारी रखने का निर्णय होता है तो ऐसा कर्मचारी c[kkZLrxh]inP;qfrvFkoklsoklsvfuok;Zfuo`frdsewyvkns'kdhrkjh[klsfu;qfDr प्राधिकारी द्वारा निलंबनाधीन हो चुका माना जाएगा और यह अलगे आदेशों तक प्रवृत्त बना रहेगा।

(5)blfofu;edsvarxZrtkjhvFkoktkjhekufy;kx;kकोईfuyacuvkns'kml प्राधिकारीftlus;gvkns'ktkjhfd;kFkkvFkoktkjhgqvkekufy;ktk,xkvFkokfdlh प्राधिकारी जिससे वह प्राधिकारी अधीनस्थ हो, द्वारा किसी भी समय रद्द किया जा सकता है।

30. Suspension : (1) The appointing authority or any authority to which it is subordinate or any other_authority empowered by the Central Government or the Commissioner in thatbehalfmayplacean employee undersuspension-

(a) Where a disciplinary proceeding against him is contemplated or is pending,or

(b) Where a case against him in respect of any criminal offence is under investigation or trial.

Provided that where the order of suspension is made by an authority lower than the appointing authority, such authority shall forthwith report to the appointing authority the circumstances in which the orderwas made.

(2) Anemployeewhoisdetainedincustody,whetheronacriminal charge orotherwise,for aperiodexceedingforty-eighthoursshallbedeemedto havebeensuspendedwitheffectfromthedateofdetention.byandorderofthe appointing authority andshall remain undersuspensionuntil further orders.

(3) Whereapenaltyofdismissalremovalorcompulsoryretirement from service imposed on an employee under suspension is set aside in appeals or on review under these regulations and the case is remitted for further inquiry or action or with anyother directions, the order of his suspension shall be deemedto have continued in force on and from the date of the original order of dismissal, removal or compulsory retirement and shall remaininforceuntil furtherorders.

(4) Whereapenaltyofdismissal,removalorcompulsoryretirement from service imposed on an employee is set aside or declared or rendered void in consequence of or by a decision of a court of law and the disciplinary authority on a considerationofthecircumstancesofthecasedecidestoholdafurtherinquiry againsthim ontheallegationsonwhichthepenaltyofdismissal,removalor compulsoryretirement wasoriginally imposed,the employee shallbe deemedto have been placed under suspension by the appointing authority from the date of the original order of dismissal, removal or compulsory retirement and shall continue to remain undersuspensionuntil furtherorders.

(5) An order of suspension made or deemed to have been made under this regulation may at any time be revoked by the authority which made or shall be deemedtohavemadetheorderorbyanyauthoritytowhichthatauthorityis subordinate.

(9)

31- ltkdhप्रकृfr &lghrFkki;kZIrकारणोंdsfy,fuEufyf[krltk,atSlhbldsckn उपबंधित हैं, किसी कर्मचारी पर अधिरोपित की जा सकती हैं, ये हैः-

(i) fuank ;

31. Nature of : The following penalties may, for good and reasons and as hereinafter provided,beimposed onan employee,namely:-

(i) Censure;

(ii) वेतनवृदधियों अथवा प्रोन्नति ;

(iii) आदेशों की अनदेखी vFkok अवहेलना के कारण संगठन को हुई धन संबंधी

(iv) fuEurj xzsM vFkok in vFkok le;&eku esa vFkok fdlh leesa fuEurj fLFkfr es y?kqdj.k ;

(v) vfuok;Z lsokfuo`fr ;

(vi) सेवा से हटाया जाना जो साधारण r;k और आगे नियोजन े के लिए अयोग्यता

(vii) lsoklsc[kkZLrxhजोlk/kkj .k r;k औरvkxsनियोजनdsfy,अयोग्यता

स्पष्टीकरणः- निम्नलिखित इस विनियम के अर्थ में निहित सजाओं के कारक नहंी

(क) lsok vFkok in ds fy, fdlh deZpkjh dh fu;qfDr dh lekfof"Vlaca/kh blfofu;evFkok आदेशोंdsvuq:iकोईविभागीय ijh{kkmRrh.kZdjuseasvlQyrkdsfy, ml dhosruo`f)ij

() fdlhdeZpkjh dhvLoLFkrkdsvk/kkjijle;≤esacus jguslsdq'kyrk{k;dsतौर Lrjikjdjusdsfy, ijldeZpkjhij

() प्रोन्नति के लिए किसी ग्रेड अथवा पद जिसके लिए कोई कर्मचारी योग्य है, उसके मामले मे विचार करने के बाद

() mPprj xzsM vFkok in/kkjh fdlh deZpkjh dh bl vk/kkj ij fd ml ij tkap ds ckn fopkj fd;k tk,xk] fdlh fuEurj xzsM vFkok in ij voufr जो वैसे उच्चतर ग्रेड अथवा पद अथवा प्रशासनिक आधार पर उसके कार्यो से संबं धत न हो ;

(ii) Withho

(iii) recover Organi

(iv) reductio lower

(v) compul

(vi) remova further

(vii) dismiss furtheremploym

Explanation : The following sha regulation :-

(a) withhol departmentalexa covering the ser

(b) stoppag the groundo

(c) non-pro employee,afterc whichhe is eligi

(d) reversio higher grade or beunsuitablefors unconnectedwit

(10)

(ड+) fdlhdeZpkjh dhfu;qfDrdhशर्तोंvFkokijhoh{kkfu;a=.kdsविनियमों तथा आदेशों के अनुरूपfdlh xzsM vFkok in ds fy, ijhoh{kk ij fu;qDr m l deZpkjh परीवीक्षा अवधि के दौरान mlds LFkk;h xzsM] vFkok in esa voufr ;

(च) fdlhdeZpkjhftldhlsok,adsanzvFkokjkT;ljdkjvFkokfdlh प्राधिकरणvFkokfdlhसांविधिकlaxBulsekaxhbZहों,mlप्राधिकारी

(e) rever

perio

ort

(f) repla

auth

ftlusmldhlsok,aप्रदानdhFkh]dhbPNkijmldhसेवाओंdk
प्रतिस्थापन ;

(छ) fdlhdeZpkjhdhअधिवर्षिताvFkoklsokfuo`frlsसंबंधितउपबंधोंds
vuq:i mldh vfuok;Z lsokfuo`fr ;

(ज) सेवाओं की समाप्ति -

(i) fdlhdeZpkjh dhfu;qfDrdhशर्तोंvFkokijhoh{kkfu;a=.k
विनियमों तथा आदेशों के अनुरूपijhoh{kअवधि के दौरानvFkok
var esaijhoh{kk ij fu;qDrl deZpkjh dhvFkok

(ii) इन विनियमों के अनुरूप किसी ;

(iii) fdlhvuqca/kdsvarxZrनियोजितकोईdeZpkjh],slsvuqca/kdh
शर्तो के अनुरूप।

(g) comp
pro

(h) termi

(i)

(ii)

(iii)

32. Disciplinary
thepenalties specifie

(2) With

32- अनुशासनिक प्राधिकाjh - (1) केंद्र सरकार किसी कर्मचारी पर विनियम 31 में विनिर्दिष्ट कोई भी सजा अधिरोपित कर सकती है।

(2) उप-विनियम (1) के उपबंधों से पूर्वाग्रही हुए बिना परंतु उप-विनियम (3) के उपबंधों के अनुसार, विनियम 31 में विनिर्दिष्ट कोई भी सजा नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा अथवा केंद्र सरकार के vFkokmuपदोंdslaca/kesaजोबोर्ड}kjkl`ftrfd,tkldsa]बोर्डdsfdlhlkekU;vFkok किसी विशेष आदेश द्वारा इस बारे में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा किसी कर्मचारी पर अधिरोपित की tk ldrh gSA

(3)blfofu;eesdqNHkhlekfo"Vहोनेijhkh]fofu;e31ds[kaM (iv) ls (vii) esa विनि र्दष्ट सजा नियुक्ति प्राधिकारी से निम्नतर किसी प्राधिकारी द्वारा अधिरोपित नहीं की जाएगी।

to the provisions of sub-regulation (3) any of the penalties specified in regulation 31 maybeimposedonanyemployeebytheappointingauthorityortheauthority specified in this behalf by a general or a special order of the Central Government or oftheBoard in thecase ofposts whichcanbecreatedbytheBoard.

(3) Notwithstandinganythingcontainedinthisregulationnopenalty specified in clauses (iv) to (vii) of regulation 31 shall be imposed by an authority lowerthan the appointing authority.

(11)

33- ltk,aअधिरोपिrdjusdsfy,प्रक्रियk &fofu;e31esfofufnZ"Vकोईltkfdlh कर्मचारी पर अधिरोपित करने का कोई आदेश तब तक जारी नहीं किया जाएगा जब तक अनसूची में स्थापित तरीके तथा प्रक्रिया का पालन न कर लिया गया हो।

33. Procedure for imposing penalties No order imposing on an employee of the penalties specified in regulation 31 shall be passed except in the manner and afterfollowing theprocedure laiddowninscheduleIII.

34 संगठन में प्रतिनियुक्ति पर अधिकारियों से %&

(1)tgkafdlhdeZpkjhftldhlsok,adsUnzljdkjvFkokfdlhjkT;ljdkjvFkok fdlhLFkkuh;प्राधिकरणvFkokfdlhसांविधिकlaxBulsekaxhxbZहों,dsfo:)fuyacu vkns'kfuxZrfd;ktkrkgSvFkokvuq'kklfuddk;Zokgh'kq:dhtkrhgSतोmldhlsok,a प्रदान करने वाले प्राधिकारी (इस विनियम में इसके बाद प्रदाता प्राधिकारी कहा जाए) को तत्काल उसके निलंबन अथवा अनुशासनिक कार्यवाही जैसी भी स्थिति हो, का आदेश देने की परिस्थितियों dh lwpuk nh tk,xhA

34. Provisionsregardingoff

(1) Where anorder o

(2) ऐसे कर्मचारी के विरूद्ध की गई अनुशासनिक कार्यवाही के निष्कर्ष के आलोक में:-

takenagainstanemployeewhose serviceshavebeenborrowedfromtheCentral Government or a State Government or a local authority or a Statutory Organisation the authoritylendinghisservices(hereinafter

inthis regulationreferredtoasthe lend authroity) shall forthwith be informed of the circumstances leading to the order of his suspension or the commencement of the disciplinary proceeding as the case may be.

(2) Inthelightofthefindingsinthedisciplinaryproceedingtaken against such employee-

(i) यदि अनुशासनिक प्राधिकारी की यह राय है कि (i) ls (iii) में विनिर्दिष्ट कोई सजा उस पर अधिरोपित की III ds ifjPNsn3(12) के उपबंधोंके अनुसार प्रदाताप्राधिकारी से परामर्श के बाद, मामलों पर वैसे आदेशों जैसे आवश्यक हो, द्वारहोगी।

बशर्ते कि आदाता प्राधिकारी तथा प्रदाता प्राधिकारी की राय में भिन्नता होने dhfLFkfresamldeZpkjhdhlsokdkप्रदाताप्राधिकारीdhbPNkij प्रतिस्थापन किया जाएगा ;

necessary:

Providedthat inthe eventofdifference of opinionbetween the borrowing authority and the lending authority, the service

(ii) यदि अनुशासनिक प्राधिकारी की यह राय है कि (iv) ls (vii) esafofufnZ"Vसजाओंesalsकोईltkmlijअधिरोपितdhtkuh pkfg,तो वह प्रदाता प्राधिकारी की इच्छा पर उसकी सेवा प्रतिस्थापित कर ldrkgSऔरtkapdhdk;ZokghoSlhdkjZokbZdsfy,mlsप्रेषितdjsxk tSlh og vko';d le>sA

(i) If the disc
penalties s
beimposed
paragraph
the lendin

oftheempl
lendingaut

(ii) IftheDisci
penaltiess
should be
d i s p o s a l t h e l e n d i n g a u t h o r i t y a n d t r a n s m

it to it the proceedings of the inquiry for such action as it deems

n
e
c
e
s
s
a
r
y
.

(12)

35 dsanz lidki }kik fuxr vkn'kk ds & bu fofu;ek e dN Hkh lekfo"V 35. Appeals against

के बावजूद केंद्र सरकार द्वारा निर्गत किसी आदेश के विरूद्ध कोई अपील नहीं

Notwithstanding anyth

36- fuyacu vkns'kkas ds fo:) vihy ॅं - कोई कर्मचारी निलंबन आदेश के विरूद्ध उस प्राधिकारी को अपील करसकता है जिससे वह प्राधिकारी जिसने उक्त आदेश निर्गत किया है अथवा जिसे निर्गत करने वाला मान लिया जाता है, एकदम अधीनस्थ हो।

37- सजाएं लगाने वाले आदेशों के विरू) vihy ॅं - कोई कर्मचारी, जिसके विरूद्ध विनियम 31 में विनिर्दिष्ट सजाओं मे से कोई सजा दी जाती है, अपील कर सकता है यदि ऐसा आदेश निर्गत किया tkrk gS%&

(क) आयुक्त द्वारा, तो बोर्ड अध्यक्ष को,

lie againstany ordermadebythe Central Government.

36. Appeals againts orders of :An employee may appeal against order of suspension to the authority to which the authority which made or is deemed to havemadetheorder is immediatelysubordinate.

37. Appeals against orders imposing penalties : An employee, against whom anorderimposinganyofthepenaltiesspecifiedinregulation31ismade,may appeal ifsuch orderis made -

(ख) नियुक्ति प्राधिकारी से निम्नतर किसी प्राधिकारी द्वारा तो नियुक्ति प्राधिकारी को

(a) by the Commiss

(ग) fdlhvU;प्राधिकारी}kjk]तोmlप्राधिकारीकोftllsogप्राधिकारी जिसने उक्त आदेश निर्गत किया है, एकदम अधीनस्थ हो।

(b) byanauthority,su appointingautho

(c) by any other aut made the

38- अन्य आदेशों के विरूद्ध अपhysa (1) कोई कर्मचारी उस आदेश के विरूद्ध अपील कर सकता

38. Appeals against other which -

(क) bufofu;ekasesalsfdlhds}kjk vFkokvuqca/kds}kjk ;Fkkfofu;fer mldsosru]भत्तों,lsokfuo`frलाभोंvFkokvU;lsokशर्तोंdh

(a) deniesorvariesto superannuation by any ofthese r

(ख) ,slsविनियमोंdsउपबंधोंvFkokvuqca/kdsfdlhmica/kdsrgr mlds uqdlku dh O;k[;k djrk gS ;

(b) interprets to his oragreement.

आयुक्त को, यदि उक्त आदेश उस प्राधिकारी द्वारा पारित किया गया हो जो आयुक्त से अधीनस्थ है अथवा बोर्ड के अध्यक्ष को यदि उक्त आदेश आयुक्त द्वारा पारित किया गया हो।

totheCommissioner,iftheorderispassedbyanyauthoritysubordinatetothe CommissionerortothechairmanoftheBoardiftheorderispassedbythe

Commission

(2) किसी आदेश के विरूद्ध कोई अपीलः-

(2)

(क) किसी कर्मचारी को mldh vLoLFkrk ds vk/kkj ij le; eku esa cusjguslsdq'kyrk{k;dsतौरij Lrjikjdjuslsmls रोकना जाता

(ख) fdlhmPprjxzsMeasvFkokin]vU;Fkkijdk;Zjrfdlh कर्मचारी को सजा के तौर पर अपेक्षाकृत निम्नतर ग्रेड अथवा पद

(13)

(ग) lkis{k fofu;ekas ds varxZr Lohdk;Z fdlh lsokfuo`fr ykHk dh fdlh jkf'k कोdefd:ktkukvFkokरोकाtkukvFkoklsokfuo`frvkHkd

(घ) किसी कर्मचारी की बहाली पर उसे भुगतान किए जाने वाले निलंबन अवधि के

osru ,oa HkRrs dk fu/kkZj.k vFkok ;g fu/kkZfjr djuk fd D;k

(i) ;fn fdlh deZpkjh ftl ij lsok ls c[kkZLrxh dh ltk dsoy dsanz ljdkj द्वारा दी जा सकती है, के संबंध में कोई आदेश निर्गत होता है, तो केंद्र सरकार को, तथा

(ii) ;fnfdlhvU;deZpkjhdslca/kesaकोईvkns'kfuxZrहोताgS तोml प्राधिकारी को जिसमें सेवा से बर्खास्तगी की सजा उस पर अधिरोपित करने के उस आदेश के विरूद्ध कोई

Li"Vhdj.k%& bl fofu;e esa%&

(i) अभिव्यक्ति ''कर्मचारी'' उस कर्मचारी को शामिल करती है जिसे संगठन की सेवा में होने से रोक दिया गया हो ;

(ii) अभिव्यक्ति ''सेवानिवृति लाभ'' भविष्य निधि एवं किसी अन्य सेवानिवृति लाभ को शामिल करती है ;

39- अपीलों का प्रस्तुतीकरण तथा उन पर विचkj - विनियम 36 से 38 के अंतर्गत कोई अपील ऐसे प्रकार एवं तरीके से तथा उस प्रकिया के अनुरूप जैसा समय-समय पर अनुसूची IV में स्थापित हो, प्रस्तुत तथा स्वीकार की जाएगी और उस पर विचार किया जाएगा।

40- अपील में आदेशों का कायkZUo;u - वह प्राधिकारी जिसने मूल आदेश निर्गत किया है, वह अपील प्राधिकारी द्वारा पारित संबंधित आदेश को लागू करेगा।

41- उपबंध जहां अनुशासनिक प्राधिकारी आदि बाद में अपीलीय प्राधिकारी हो tkrk g S%&

fofu;e36ls40esaकोईckrlekfo"Vjgusdsckotwn]tgkaकोईO;fDrftlusog vkns'k fuxZr fd;k gS ftl ij vihy gqbZ gS] viuh ijorhZ fu;qfDr vFkok vU;Fkk ds vk/kkj ij ऐसे आदेश के विरूद्ध अपील के सबंध में विनियम 36 से 38 के अंर्तगत अपीलीय प्राधिकारी हो को tkrkgS]तो,slkO;fDrmlप्राधिकारीकोogvihyvxzsf"krdjsxkftllsog,dne v/khuLFkgSऔरmlप्राधिकारीकोmlvihydslaca/kesamuविनियमोंdsप्रयोजनdsfy, अपीलीय प्राधिकारी होना माना जाएगा।

(c) ben... benef...

(d) suspe... deter... perio...

(i) whom... Centr...

(ii) to the... uponl...

Explanation :- In this regula...

(i) th...

(ii)

39. Submission and co... to 38 shall be submitted, en... accrodance with suchproce... time.

40. Implementationofordersinappeal :Theauthoritywhichmadethe original ordershall give effect totheorders passed bythe appellate authority.

41. ProvisionwhereDisciplinaryAuthorityetc.subsequentlybecomes AppellateAuthority :-

Notwithstandinganythingcontainedinregulations36to40wherethe person who made the order appealed against becomes by virture of his subsequent appointment or other the appellate authority under regulation 36 to 38 in respect of the appeal against such order, such person shall forward the appeal to the

authority to which he is immediately subordinate and such authority shall in relation to that appeal, be deemed be theappellateauthority forthe purpose ofthese Regulations.

(14)

42- अनुशासनिक मामलों मे आदेशों की सeh{kk - यदि विनियम 31 में विनिर्दिष्ट सजाओं में से किसी सजा को अधिरोपित करने का आदेश निर्गत होता है तो वह प्राधिकारी जिसमें ऐसे आदेश से संबंधित कोइ अपील निहित है, अपने स्वयं के प्रस्ताव अथवा अन्यथा, उस अनुशासनिक कार्यवाही के मामले के अभिलेखों को मांग सकता है, ऐसे किसी मामले में पारित किसी आदेश की समीक्षा कर सकता है और ऐसे आदेश पारित कर सकता है जैसे वह उपयुक्त समझे, जहां तक अपील उस प्राधिकारी को प्रस्तुत की गई हो ;

c'krsZ fd bl fofu;e ds varxZr ,sls vkns'k ftldh leh{kk dh tkuh gS] dh rkjh[k ls ckn के छह महीनों से अधिक होने पर कार्रवाई आरंभ नहीं की जाएगी।

43- dsanz ljdkj }kjk leh{kk dh 'kfDr - इन विनियमा में कुछ भी समाविष्ट होने के बावजूद dsanz ljdkjअपने स्वयं के प्रस्ताव अथवा अन्यथा, उस मामले के अभिलेख मांगे जाने के बाद उस आदेश की समीक्षा कर सकती है जो इन विनियमों के अंतर्गत निर्गत हुआ है अथवा अपील योग्य है, और

42. Review of order in disciplinary :- Inthe case of an order imposing any of the penalties specified in regulation 31 the authority to whom an appeal in relation to such order lies may, of its own motion or otherwisecall for the records of the case in a disciplinary proceedingreview any order passed in such a case and pass such order as itdeems fit,as ifthe appeal had been preferredtosuchauthority;

Provided that no action under this regulation shall be initiated more than six months afterthedateofthe ordertobereviewed.

43. CentralGovernment'spowerofreview :Notwithstandinganything contained in these regulations, the Central Government may, on its own_motion or otherwise, after calling for the records of the case, review any order which is made oris applicable underthese Regulationsand

क)उस आदेश को संपुष्ट, संशोधित अथवा खारिज कर सकती है ;

ख)ेकोईltkअधिरोपितdjldrhgSvFkokmlvkns'k}kjkअधिरोपितltkको [kkfjt] laiq"V dj ldrh gS vFkok S;

ग)mlekeysकोmlप्राधिकारीftlusogvkns'kfuxZrfd;kgSvFkokfdlhvU; प्राधिकारी को भेज सकती है और ऐसे अगले आदेश अथवा जांच का निदेश दे सकती है जैसा वह मामले की परिस्थितियों में उचित समझती हैvFkok

घ),sls vU; vkns'k ikfjr dj ldrh gS tSls og mi;qDr le>rh gS ;

c'krsZ fd%&

(i) कोई सजा अधिरोपित अथवा बढ़ाने वाला कोई आदेश तब तक पारित नहीं जब तक संबंधित व्यक्ति को अभ्यावेदन प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो जिसे og ml ltk vFkok c<+kbZ ltk ds fo:) djuk pkgs]

a) confirm

b) imp penalty

c) remit aut properi

d) passsuc

Provided that :-

(i) an or the pe represen enhance

(15)

(ii) ;fn dsanz ljdkj fdlh ekeys esa tgka fofu;e 33 esa mfYyf[kr vuqlwph AAA के परिच्छेद 3 के अंतर्गत जांच नहीं बैठाई गई हो

(iv) ls

(ii)

(vii) esafofufnZ"Vltkvkasesalsकोईltkअधिरोपितdjusijfopkjdjrh gSतोdsUnzljdkjmDrvuqlwphAAAdsifj ds उपबंधोंdsvuqlkj funs'knsxhfd,slhtkapcSBkbZtk,औरbldscknbltkap dsfu"d"kZ ij fopkjdjrsgq,rFkkसंबंधितO;fDrकोvH;kosnuftlsogblltk vFkokc<+kbZxbZltkdsfo:)nkf[krdjukpkgs]nkf[kydjusdk volj nsrs gq, oSls vkns'k ikfjr djsxh tSls og mi;qDr le>sA

v/;k; VI &lkekU;

44- vf[kyHkkjrh;lsokck/;rk &buविनियमोंdsvkajHkहोनेdhrkjh[klslaxBuds कर्मचारी, तथा कर्मचारी जो इसके बाद नियोजित हो सकते हैं, भारत में कहीं भी संगठन के किसी भी कार्यालय मे सेवा अनुमोदन से संगठन के किसी भी कार्यालय से दूसरे कार्यालय में समान अथवा अन्य पदों पर स्थानांतरित किए जा सकते

45- vlk/kkj.kekeykas esaf'kfFkyrk &tgka vk;qDrlarq"VgSa fdbu lsokशर्तो के मामले में किसी विनियम एवं उपबंध का प्रवर्तन किसी खास मामलें मं अनावश्यक कठिनाई का कारण बनता है अथवा लोक शिथिलता आवश्यक हो तो वह केन्द्र ljdkjdsअनुमोदनls]v vko';drkकोlekIrdjldrkgSvFkokf'kfFkydjldrkgStSlhप्रत्येकekeysdh परिस्थितियों में आवश्यक समझी जाए।

46- भारत के संविधान के प्रति निष्ठा शपथ्k - प्रत्येक कर्मचारी के नियुक्ति के समय अथवा इन विनियमों के आरंभ के बाद किसी समय, आयुक्त अथवा आयुक्त द्वारा प्राधिकृत किसी अ के संविधान के प्रति अपनी निष्ठा शपथ अथवा सत्यनिष्ठापूर्वक प्रतिज्ञा लेना आश्वयक होगा यदि यह पहले नहीं ली गई है। सामाजिक सुरक्षा विभाग के उस अधिकारी की उपस्थिति मं लेगा जो उप सचिव के रैंक से निम्न न हो।

---

* fofu;e44dsvaresalk-dk-fu151fnukad19-2-1983dsआलोकesavxzfyf[krvar% स्थापित किया गया ‘‘ये कर्मचारी आयुक्त के अनुमोदन से संगठन के किसी भी कार्यालय से दूसरे कार्यालय मे समान अथवा पदों पर स्थानांतरित किए जा सकते हैं’’

44. AllI

regulations the employees of theorganisation and employees whomay be employed hereinafter;shallbeliabletoserveinany officeof the organisationanywherein India. * [The employees may be transferred from one office to another office of the Organisation on similarorotherposts withthe approval of the Commissioner.]*

45. Relaxation in exceptional : Where the Commissioneis satisfied that the operation of any regulation or provision in the matter of the conditions of service causes undue hardship in any particular case or relaxation of any of theregulations isnecssaryinthepublicinteresthemay,withtheapprovaloftheCentral Government, by order dispense with or relaxthe requirement of that regulation to suchextentsubjecttosuchconditionsasmaybeconsiderednecessaryinthe circumstancesofeachcase.

46. Oath ofAllegianceto the ConstitutionofIndia-

Every employee shall be required to take an oath or solemnly affirm his allegiancetotheConstitutionofIndiaasbylawestablishedbeforethe Commissoneroranofficerauthorisedbythecommissioneratthetimeofhis appointmenttotheserviceoftheOrganisationoratanytimeafterthe commencementoftheseRegulations,ifthishasnotalreadybeendone.The Commissioner shall take such oath or solemnly affirm as above in the presene of an OfficeroftheDepartmentofSocialSecuritynotbelowtherankofDeputy Secretary.

----

*thefollowinginsertedattheendinregulation44,"Theemployeesmaybe transfered form one office to another office of the Organisation on similar or other posts with the approval oftheCommissioner "videG.S.R. 151dated19.2.1983.

(16)

47 deZpkjh}kjkdhtkusokyhघोष &प्रत्येकdeZpkjhftlijfofu;eykxwहोतेgS निम्नलिखित घोषणा करेगाः-

^^eSa blds}kjkघोषणाdjrk@djrh gwa fdमैने कोयला[kkuHkfo";निधि(कर्मचारी एवं सेवा की अवस्थाएं) विनियमावली, 1964 को पढ़ तथा समझ लिया है और मै उक्त विनियमों द्वारा बाध्य होना इसके द्वारा स्वीकार करता/करती हूँ और सहमत हूँ।''

"IherebydeclaarethatIhavereadandunderstoodtheCoalMines ProvidentFund (Staff and Conditions of Service) Regulations 1964 and Ihereby subscribe and agreetobe boundby the said Regulations. "

xokg	%	deZpkjh dk gLrk{kj
gLrk{kj	%	iwjk uke
uke	%	नियुक्ति की प्रकृति
frfFk	%	fu;qfDr frfFk
O;olk;	%	gLrk{kj
irk	%	frfFk

47. Declaration to be made ... Regualation apply shall make th...

Witness	:
Signature	:
Name	:
Date	:
Occupation	:
Address	:

(17)

48- [kaMu rFkk lap;u - श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा भारत सरकार की अधिसूचना la- ,l- आर.ओ.512fnukd16Qjojh1957 dslkFkप्रकाशित कोयला[kkuHkfo";निधिdeZpkjh विनियमावली 1957 dk ,r}kjk [kaMu fd;k tkrk gSA

c'krZsZ fdmDrविनियमावलीdsvarxZr fufeZrकोई आदेश,mikftZrअधिकार,LFkkfir सजा अथवा कुछ भी कृत अथवा कोई कृत कार्रवाई इन विनियमों के अंतर्गत यथा निर्मित, उपार्जित, LFkkfir]d`rvFkokx`fgrहोpqdhekuhtk,औरmDrविनियमावलीdsप्रत्येकmica/kds प्रत्येक लेख का प्रत्येक संदर्भ इन विनियमों के समतुल्य उपबंध का संदर्भ होना माना जाएगा।

48. Repeals and Savings :- The Coal Mines Provident Fund Staff

1957 published with the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Employment No. S.R.O. 512 dated the 16th February, 1957 are hereby repealed,

Provided that any order made, right accrued, penalty incurred or anything done or any action taken under the said regulations shall so far as may be deemed to have been made, accrued, incurred or done or takenunderthese regulations and any reference in any instrument toany provision of the said Regulations shall be deemed

to bea referenceto the correspo

**अधिक्रमित विनियमवली की अनुसूची -I व AA

** Schedule -I

vuqlwph &AAA

SCHEDULEIII

(विनियम33देखंे)

(S

1- लघु सजाएं अधिरोपित करने के लिए प्zfdz;k & fofu;e 31 ds [kaM (i) ls (iii) esa fofufnZ"V सजाओंesalsकोईltkfdlhdeZpkjhijअधिरोपितdjusdkकोईvkns'kikfjrughafd;k tk,xk flok; fd blds ckn %&

क)mldeZpkjhकोmldsfo:)dkjZokbZdjusdsप्रस्तावrFkkmuअभियोगोंdh लिखित रूप में सूचना दी जाएगी जिन पर यह की जानी प्रस्तावित है और वह अभ्यावेदन दाखित करने का अवसर दिया जाएगा जिसे वह प्रस्तुत करना चाहता है ;

1) Procedureforimposingminorpenalties-Noorderimposingonan employee any of the penalties specified in clauses (i) to (iii) of regulation31 shall bepassed except after:-

a) the employee is informed in writing of the proposal to take action aginst him and of the allegations on which it is proposed to be taken and given an opportunity to make any representation he may wish to make;

ख)ऐसा अभ्यावेदन, यदि कोई है, पर अनुशासनिक प्राधिकारी द्वारा

b) Suchrepresentat disciplinary auth

2- ऐसे मामलों मे कार्यवाही का अभिलेख शामिल djsxk %&

i) उस कर्मचारी को सूचना की एक प्रति जिसमें उसके विरूद्ध ;

ii) उसे भेजे गए आरोप विवरण की प्रति ;

iii) mldk vH;kosnuयदि कोई होrFkk

iv) उस मामले में आदेशों के साथlkFk mUgsa tkjh djus ds

2. The record ofproceedi

i) acopyoftheintim action against hi

ii) a copyofthe stat

iii) his representatio

iv) the ordersonthe

** vqulwph A o AA lk-dk-fu- la468 दिनांक 22.5.1982 के आलोक में अधिक्रमित।

** schedule I& IIsupersededvideGSR No. 468dated22.5.1982

(18)

3- वृहत्त सजाएं अधिरोपित करने के लिए प्रिØ;k %&

fofu;e 31 ds [kaM (iv) ls (vii) में विनिर्दिष्ट सजाओं में से कोई सजा किसी कर्मचारी पर अधिरोपित करने का कोई आदेश पारित नहीं किया जाएगा सिवाय कि जांच के बाद, जो जहां तक हो सके, निम्नलिखित की भांति होगीः-

3. Procedureforimposingmajorpenalties:Noorderimposingonan employee any of the penalties specified in clauses (iv) to (vii) of regulation 31 shall bepassed except afteraninquiry, held as far as maybe inthefollowingmanner:-

(1) vuq'kklfudप्राधिकारीmuअभियोगोंdsvk/kkjijlqfuf'prआरोपf ufeZr करेगा जिन पर जांच बैठानी प्रस्तावित है। उन आरोपों

(1) The disciplinary of the allegation charges together are based, shall

के साथ-साथ उन अभियोगों dsfooj.kdhfyf[kr:iesalwpukmldeZpkjhकोnhtk xhftuij;s

shall be required the disciplinarya

(क) उस प्राधिकारी को, अथवा

a) to suchauthority

(ख) जहां निम्न उप-परिच्छेद (2) के अंतर्गत कोई जांच मंडल अथवा जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है तो वह उस मंडल अथवा अधिकारी को, अपनी सफाई का fyf[kr fooj.k rFkk ;g Hkh

b) where a Board c under sub-parag statement of his heard inperson.

Li"Vhdj.k%&blmi&ifjPNsnesarFkkuhpsmi&ifjPNsो(2)rFkk(3)esa]vfHkO;fDr ‘‘अनुशासनिक प्राधिकारी’’ विनियम 31 के खंड (i) ls (iii) में विनिर्दिष्ट सजाओं में से कोई सजा उ l कर्मचारी पर अधिरोपित करने के लिए इन विनियमों के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी को शामिल करेगी।

(2)ogvuq'kklfudप्राधिकारीLo;aआरोपोंdhtkapdjldrkgS vFkok;fn og le>rk gS fd ,slkकरना आवश्यक है, तो वहइस प्रयोजन के लिए या तो उप-परिचछेद (1) के अंतर्गत उस कर्मचारी को आरोपां े की सूचना देते le;vFkokbldsckndHkhHkh]कोईtkapeaMyvFkoktkapअधिकारी fu;qDr dj ldrk gSA

(3)mldeZpkjhको,viuhlQkbZrS;kjdjusdsप्रयोजनdsfy,],sls कार्यालयी अभिलेखों का निरीक्षण करने तथा सार लेने की अनुमति दी जाएगी जैसे वह निर्दिष्ट करं े, बशर्ते कि उस अनुमति को जिन कारणों से अस्वीकार किया जा ldrkgSmUgsavuq'kklfudप्राधिकारी}kjkviuhjk;easfyf[kr:iesntZ किया जाएगा कि ऐसे अभिलेख इंगित प्रयोजन से संबधित नहीं है अथवा उन तक उसकी पहं ु च की अनुज्ञा करना लोक हित मं े नही हैं।

Explanation-Inthissub-paragraphandinsub-paragraphs(2)and(3) below,theexpression"thedisciplinaryauthority"shallincludethe authority competent under these regulations to impose upon the employee any of thepenalties specifiedin clauses(i) to (iii)ofRegulation 31.

(2) The disciplinary authority may inquire into the charges itself or if it considers it necessary so to do, it may either at the time of communicating thechargestotheemployeeundersub-paragraph-(1)atanytime thereafter,appoint aBoardofInquiryorInquiring Officer forthepurpose.

(3) Theemployeeshall,forthepurposeofpreparinghisdefence,be permitted to inspect and take extractrs from such offical records as he may specify, providedthatsuchpermissionmayberefusedif,forreasonstoberecordedin writing in the opinion of the disciplinary authority such recordare not relevant for thepurpose or itisagainst thepublicinterest toallowhis access thereto.

(19)

(4)lQkbZdsoSlsfyf[krfooj.kdhप्राप्तिijvFkok;fnfofufnZ"Vle;dsHkhrj वह विवरण प्राप्त नहीं होता है, तो वह अनुशासनिक प्राधिकारी, अथवा वह जांच मंडल अथवा वह जांच अधिकारी, जैसा भी मामला हो, उन आरोपों की जांच कर सकता है जो स्वीकृत नहीं हुए हैं।

(5)ogvuq'kklfudप्राधिकारीआरोपोंdhtkapdjjgsmlप्राधिकारी(इसकेcknkap प्राधिकारी कहा जाए) के समक्ष आरोपों के समर्थन मे केस को प्रस्तुत करने के लिए किसी व्यक्ति को नामित कर सकता है। वह कर्मचारी उस अनुशासनिक प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किसी अन्य कर्मचारी की सहायता से अपना केस प्रस्तुत कर सकता है, किन्तु इस प्रयोजन के लिए तब तक कोई odhyfu;qDrughadj ldrktcrdmlअनुशासनिक प्राधिकारी}kjk ukferO;fDrtSlk पूर्वोक्त है, एक वकील न हो अथवा जब तक अनुशासनिक प्राधिकारी, उस केस की परिस्थितियों को देखते हुए, ऐसी अनुमति नहीं देता ।

(6)वह जांच प्राधिकारी, उस जांच के दौरान, उस दस्तावेजी साक्ष्य तथा उस मौखिक साक्ष्य पर विचार करेगा जो आरोपों के संबंध मे सापेक्ष तथा तथ्यात्मक हो। वह कर्मचारी आरोपों के समर्थन मंे ijhf{krगवाहोंdhप्रतिपरीक्षाdjusrFkkO;fDrxr:ilslk{;nsusdkgdnkjहोगाlmu आरोपों के समर्थन में केस मे उपस्थित वह व्यक्ति उस कर्मचारी तथा उसकी सफाई मे गवाहों की प्रतिपरीक्षा का हकदार होगा। यदिवह जांच प्राधिकारी उस आधारij fd ftldk lk{; lkis{k bldsrFkkrF;kRed ugha gS] fdlh xokg dhijh{kkको मनाdjrkgS]तो वहfyf[kr:iesa dkj.k ntZ djsxkA

(7)mltkapdhlekfIrij]ogtkapप्राधिकारी,,dtkapरिपोर्टrS;kjdjsxkऔरप्रत्येक आरोप पर अपने निष्कर्ष के साथ-साथ इसका कारण दर्ज करेगा। यदि उस प्राधिकारी की राय मंे उस जांच की कार्यवाही मूल रूप से निर्मित आरोपों से भिन्न आरोप स्थापित करती है, तो वह उन आरोपों के आधार पर कार्यवाही दर्ज कर सकता है बशर्ते कि उन आरोपों के आधार पर निष्कर्ष तब तक दर्ज नहीं किया जाएगा जब तक वह कर्मचारी उनमें निहित तथ्यों को स्वीकार नहीं कर लेता अथवा उसे उनके विरूद्ध स्वयं की सफाई देने का अवसर न दिया गया हो ।

(4) On receipt of the written statement of defence, or if no such statement is received within the timespecified,the disciplinary authority,orthe Board of Inquriy of the Inquiring Officer, as the case may be, may inquire into such of the charges as arenotadmitted.

(5) The disciplinary authority may nominate any person to present the case in supportofthechargesbeforethe Authorityinqiringinothecharges(hereinafter referred to as the Inquring Authority). The employee may present his case with the assistance of any other employee approved by the disciplinaryauthority, but may not engage a legal practitioner for the purpose unless the person nominated by the disciplinaryauthorityasaforesaid,isaleagalpractitioner,orunlessthe discriplinary authority, havingregardtothe circumstances of thecase,sopermits.

(6) The Inquiring Authority shall, in the course of the inquiry consider such documentaryevidenceassuchoralevidenceasmaybereleventormaterialin regard to the charges. The employee shall be entitied to cross- examine witnesses examinedinsupportofthechargeandtogiveevidenceinperson.Theperson presenting the case in support of the charges shall be entitled to cross-examine the employeeandthewitnessesexaminedinhisdefence.IftheInquiring Authority decline & to examine any witness on the ground that his evidence is not relevant or material, it shall record its reasons inwriting.

(7) Attheconslusionoftheinquiry,the Inquiring Authorityshallprepare a reportoftheinquiry,recordingitsfindingsoneachofthechargestogether-with reasons therefor. If in the opinion of such authority, the proceedings of the inquiry establish charges different from those originally framed, it may record findings on such charges provided that finding on such charges shall not be recorded unless the employeehasadmittedthefactsconstitutingthemorhashadanopportunityof defending himself against them.

(20)

(8) जांच के अभिलेख में शामिल होगा:-

i) उपरोक्त उप-परिच्छेद (1) के अंतर्गत उस कर्मचारी के विरूद्ध निर्मित आरोप तथा उसे

ii) उसकी सफ ई का लिखित विवरण, यदि कोई हो ;

iii) उस जांच के दौरान सुने गए ;

iv) उस जांच के दौरान विचार किए गए दस्तावेजी साक्ष्य ;

v) mlvuq'kklfudप्राधिकारी,oamltkapप्राधिकारी}kjktkaplsसंबंधितfuxZr आदेश, यदि कोई होrFkk

vi) प्रत्येक आरोप पर निष्कर्ष एवं इसके कारणों पर रिपोर्ट।

(8) The record ofthe inqui

(i) Thechargesfram allegations furn

(ii) his writtenstater

(iii) the oral evidenc

(iv) the documentary

(v) theorders,ifany, inquiring author

(vi) areportsettingou therefor.

(9) The disciplinary autho

(9)vuq'kklfudप्राधिकारी;fnogtkapप्राधिकारीughagSAmltkapvfHkys[kijfopkj करेगा और प्रत्येक आरोप पर अपने निष्कर्ष दर्ज करेगा।

[1](10) यदि वह अनुशासनिक प्राधिकारी उस जांच के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर आरोप की सभी विषयवस्तुओं अथवा उनमे से किसी एक पर अपने निकाले गए निष्कर्ष के संबंध में, इस राय ijigqaprkgSfdfofu;e31ds[kaM (iv) ls (vii) esafofufnZ"Vसजाओंesalsकोईltkml कर्मचारी पर अधिरोपित की जानी चाहिए, वह ऐसी सजा अधिरोपित करने का आदेश निर्गत करेगा औरअधिरोपितdhtkusokyhप्रस्तावितltkijvH;kosnuप्रस्तुत करने काकोईvoljml कर्मचारी को देना आवश्यक नहीं होगा।

therecord of the inquiryand recorditsfindings oneachcharge.

*(10) If the disciplinary authority, having regard to its findings on all or any of the articles of charge and on the basis of the evidence adduced during the enquiry, is of the opinion that any of the penalties specified in clause (iv) to (vii) of regulation 31shouldbeimposedontheemployee,itshallmakeanorderimposingsuch penalty and it shall not be necesary to give the employee any opportunity of making representation on the penalty proposedto be imposed.

** [ ]

[11][ ]

*** (11)If the disciplinary auth that any of the penalties specifi imposed, it shallpassapproriate

[111](11);fnogvuq'kklfudप्राधिकारीviusfudkysx,fu"d"kZdslaca/keasbljk;ij igqaprk gS fd fofu;e 31 (i) ls (iii) में विनिर्दिष्ट सजाओं में से कोई सजा अधिरोपित की जानी चाहिए, तो वह इस केस में उचित आदेश पारित करेगा।

[1] उप-परिच्छेद (10) सा.का.नि. सं. 491 दिनांक 18.6.1988 के आलोक मंे प्रतिस्थापित।[11] उप-परिच्छेद (11) सा.का.नि. सं. 491 दिनांक 18.61988 के आलोक मंे लुप्त।
[111] उप-परिच्छेद (12) सा.का.नि. सं. 491 दिनांक 18.6.1988 के आलोक मंे उप-परिच्छेद (11)ds :i eas iquØZekafdr A

Sub-paragraph (10)substituted vide G.S.R.491 dated 18.6.1988 Sub-paragraph (11)omittedvideG.S.R. 491dated18.6.1988 Sub-paragraph (12)re-numbered as sub-paragraph(11)vide G.S.R. 491 dated 18.6.1988

(21)

@(12) उस अनुशासनिक प्राधिकारी द्वारा पारित आदेश उस कर्मचारी को भेजे जाएंगे, उसे mltkapप्राधिकारीdhmlरिपोर्टrFkktgkaogvuq'kklfudप्राधिकारीogtkap प्राधिकारीन हो,ml tkapप्राधिकारीds fu"d"kZ ds lkFkmlds fu"d"kZ rFkkvlgefrds संक्षि्ाप्त कारण,यदि कोई होके विवरण की एक प्रति भी दी जाएगी। [ ][11]

4-la;qDrtkap &tgkafdlhdsleदोvFkokअधिकdeZpkjhसंबंधितहो,dsanzljdkj अथवा कोई अन्य सक्षम प्राधिकारी सभी ऐसे कर्मचारियों पर सेवा से बर्खास्तगी की सजा अधिरोपित djusdsfy,],slkvkns'kfuxZrdjldrhgSftlesa;gfuns'kहोfdmulHkhdsfo:) lkewfgd dk;Zokgh esa vuq'kklfud dkjZokbZ dh tk,A

विनियम 32 के उप-विनियम (3) के उपबंध के अनुसार ऐसा कोई आदेश विनिर्दिष्ट करेगाः-

(i) वह प्राधिकारी जो ऐसी सामूहिक कार्यवाही के प्रयोजन के लिए अनुशासनिक प्राधिकारी के रूप मे कार्य कर सके ;

@ (12) Order passed by the disciplinary authority shall be communicated to the employeewhoshallalsobesuppliedwithacopyofthereportoftheInquiring AuthorityandwherethedisciplinaryauthorityisnottheInquiringAuthoritya statement of its findings together-with brief reasons for disagreement if any, with thefindings oftheInquiringAuthority. [ ][11]

4. Joint Inquiry-Where two or more employees are concerned in any case,theCentralGovernment oranyotherauthoritycompetenttoimposethe penaltyofdismissalfromserviceonallsuchemployees,maymakeanorder directing that disciplinary action against all of the them may be taken in a common proceeding.

(3) Subject to the provisions of sub-regulation (3) of regulation 32 any such order shallspecify-

(ii) fofu;e31easfofufnZ"Vltk,aftUgsaogvuq'kklfudप्राधिकारी अधिरोपित करने में सक्षहोगा, तथा

(iii) D;kifjPNsn1vFkok3easfu/kkZfjrdk;Zokghdkbldk;Zo kghesa vuqlj.k fd;k tk ldrk gSA

5- कुछ केसों में विशेष - परिच्छेद 1 से 4 मे कुछ भी समाविष्ट होने के बावजूदः-

(i) tgkafdlhdeZpkjhi,slsvkpj.kdsvk/kkjijltkअधिरोपितdh जाती है जो आपराधिक आधार पर उसके दोषी होने का

(ii) tgka og vuq'kklfud प्राधिकारी fyf[kr :i esa ntZ f d,

tku े वाले उन कारणों से संतुष्ट है कि परिच्छेद 1 अथवा 4 मे निर्धारित

(iii) जहां केद्र सरकार संतुष्ट है कि संगठन के हित मंे, ऐसी प्रकिया का अनसरण करना समायोचित नहीं है ·

वह अनुशासनिक प्रधिकारी उस केस की परिस्थितियों परfopkjdjसकता है और उस पर,sls vkns'k ikfjr dj ldrk gS tSls mls mi;qDr yxsaA

@उप-परिच्छेद (13) सा.का.नि. सं. 491 दिनांक 18.6.1988 के आलाके में उप-परिच्छेद (12) के :i eas iquØZekafdr A

[11]पुनर्क्रमांकित उप-परिच्छेद (12) में शब्द ''यदि ये उसे पहले न दिए गए हों'' सा.का.नि. सं. 491 दिनांक 18.6.1988 के आलोक में लुप्त।

(i) the authoritywhi
the purposeofsu

(ii) thepenaltiesspec
authorityshall be

(iii) whethertheproce
followedinthe pr

5. Specialprocedur
contained inpara

(i) whereapenaltyin
conduct whichha

(ii) wherethediscipli
recordedinwritin
the procedurepr

(iii) where the Centr

Orgranisation itis not expedient tofollowsuch procedure;

the disciplinary authority may consider the circumstances of the case and pass such orders thereon as it deems fit.

--@sub-paragraph(13)re-numberedassub-paragraph(12)videG.S.R.491 dated18.6.1988

** in the renumbered sub-paragraph (12) the word "unless they have already been supplied to him"omittedvide G.SR. 491dt.18.6.1988

(22)

vuqlwph& IV

(विनियम39देखें)

(S

1- vihykas ds fy, lhek voधि - किसी अपील को अपीलीय प्राधिकारी द्वारा तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक इसे उस तारीख से तीन महीनों की अवधि के भीतर प्रस्तुत नहीं किया जाता जिस पर अपीलकर्ता उस आदेश की प्रति प्राप्त करे जिसके विरूद्ध अपील की गई है।

बशर्ते कि वह अपीलीय प्राधिकारी उक्त अवधि की समाप्ति के बाद उस अपील को स्वीकार कर सकता है, यदि वह संतुष्ट है कि उस अपीलकर्ता के पास समय पर वह अपील प्रस्तुत नहीं कर ikus dk i;kZIr dkj.k FkkA

2- vihy dkrjhdk,oa lkexzh &अपील प्रस्तुतdj jgkप्रत्येकO;fDr ,slki`Fkd:ils तथा अपने नाम से करेगा। वह अपील उस प्राधिकारी को संबोधित की जाएगी जिसमें अपील निहित gS]mlesaosvko';dfooj.k,oardZlekfo"Vfd,tk,axsftuijvihydrkZfuHkZjgS] अनादरपूर्ण तथा अनुचित भाषा समाविष्ट नहीं की जाएगी, और वह अपने आप में पूर्ण होगी।

3- vihydkप्रस्तुतीकरण &प्रत्येकvihymldk;kZy;ftleavihydrkZdk;ZjrgS]ds प्रमुखds ek/;els vFkok];fnoglsok eas ugha gS]तो उस कार्यालय के माध्यमls ftlesa og vafreckjdk;ZjrFkk]mlप्राधिकारीकोप्रस्तुतdhtk,xhftlusogvkns'kfuxZrfd;kgS जिसके विरूद्ध अपील की गई है । यदि ऐसा प्राधिकारी उस कार्यालय का स्वयं कार्यालय प्रमुख है अथवा कार्यालय

प्रमुख का अधीनस्थ है, जिसमें वह कर्मचारी कार्यरत है अथवा कार्यरत होता यदि वह सेवा मे नहीं हो तो अपील उस प्राधिकारी को सीधे प्रस्तुत की जाएगी। उस अपील की एक प्रति अपीलीय प्रधिकारी को भी सीधे प्रस्तुत की जा सकती है।

4- अपीलों का रोका जkuk - (1) वह प्राधिकारी उस अपील को रोक सकता है जिसने वह आदेश fuxZr fd;k gS ftld fo:) vihy dh xbZ g] ;fn%&

1. Period of limitation for appeals- No appeal shall be entertained by the appellate authority unless it is submitted within a period of three months from thedate on which the appellant receives a copyoftheorderappealedagainst.

Provided, that the appellate authority may entertain appeal after the expiry of the said period, if it is satisfied that the appellant had sufficient cause for not submitting theappealin time.

2. Form and contents of appeal - Every person sub-mitting an appeal shalldo so separatelyand in his ownname. The appeal shallbe addressed to the authoritytowhomtheappeallies,shallcontainallmaterialstatementand argumentsonwhichtheappellantrelies,shallnotcontainanydisrespectfulor improperlanguage, andshall be complete initself.

3. Submissionofappeals-Everyappealshallbesubmittedtothe authority which made the order appealed against through the head of the office in which the appellant may be serving or, if he is not in service, through the head of the office in which he was last serving. If such authority itself is the head of office or is subordinatetotheheadofofficeinwhichtheemployeemaybeservingorwas serving if he is not in service, the appeal shall be submitted direct to that authority.A copy ofthe appeal may be submitted directtothe appellate authorityalso.

4. Withholdingofappeals-(1) Theauthoritywhichmadetheorder appealed against,maywithhold theappeal if-

(i) it is an appealagainst anorderfrom whichnoappeal lies,or

(i) ;fn og fdlh ml vkns'k ds fo:)अपील हो जिसमें कोई अपील निहित ugha gSvFkok

(ii) ogifjPNsn2easLFkkfirउपबंधोesalsfdlhmica/kdkvuqik yuugha करती होvFkok

(iii) ogfu/kkZfjrle;lhekdsckn प्रस्तुतdhxbZहोऔरnsjhdsfy, कोई कारण नहीं दर्शाया गया हो, अथवा

(iv)

(ii) it does not compl 2,or

(iii) it is not submitte shown for the de

(iv) itisrepetitionofan circumstances ar

(2)यदि कोईvihydsoyblvk/kkj ijरोकyhtk,fdmlesaifjPNsn2के उपबंधों का पालन नहीं हो रहा है, तो वह अपीलकर्ता को वापस कर दी जाएगी और तब रोकी नहीं जाएगी यदि उक्त उपबंधों के अनुपालन के बाद एक महीने के भीतर पुनः प्रस्तुत की जाती है।

If and appeal is withheld on the ground only that does not comply with the provisionsinparagraph2,Itshallbereturnedtotheappellantandshallnotbe withheldifresubmittedwithinonemonththereofaftercompliancewiththesaid provisions.

(23)

(3)tgkaकोईvihyरोकीtkrhहो,तोmlvihydrkZकोbldsतथ्योंrFkkकारणोंls voxr djk;k tk,xkA

(4) प्रत्येक तिमाही के आंरभ में, पिछली तिमाही के दौरान किसी प्राधिकारी द्वारा रोकी गई अपीलोंdhlwph]mUgsaरोकेtkusdsn'kkZ,x,कारणोंlfgr]mlप्राधिकारी}kjkvihyh; प्राधिकारी को भेजी जाएगी।

5- अपीलों का प्रे"k.k - (1)ogप्राधिकारीftlusogvkns'kfuxZrfd;kgSftldsfo:) अपील की गई है, बिना किसी परिहार्य देरी के, प्रत्येक उस अपील को जिसे परिच्छेद 4 के अंतर्गत रोकाughax;kहो,blijviuhfVIif.k;karFkklkis{kअभिलेखोंdslkFk&lkFkvihyh; प्राधिकारी को प्रेषित करेगा।

6- अपीलों पर विचkj - (1) किसी निलंबन आदेश के विरूद्ध किसी अपील की स्थिति में, वह अपीलीय प्राधिकारी विनियम 30 के उपबंधो के आलोक मंे तथा उस कस की परिस्थितियों पर ध्यान देते हुए इस पर विचार करेगा कि क्या निलंबन आदेश न्यायोचित है अथवा नहीं और तदनुसार उस आदेश को संपुष्ट अथवा रद्द करेगा।

(2)fofu;e31easfofufnZ"Vसजाओंesalsकोईltkअधिरोपितdjusokysfdlhvkns'kds विरूद्ध किसी अपील की स्थिति मंे वह अपीलीय प्राधिकारी यह विचार करेगा किः-

(3) Where an appeal is withheld, the appellant shall be informed of the factand reasons therefor.

(4) At the commencement of each quarter, a list of the appeals withheld byanyauthorityduringthepreviousquarter,togerther-withthereasonsfor withholding them, shall befurnished by that authorityto the appellateauthority.

(5) Transmission of appeals - (1) The authority which made the order appealedagainstshall,withoutanyavoidabledelay,transmittotheappellate authority every appeal which is not withheld under paragraph 4, together-with its comments thereon andthe relevant records.

(2) The authority to which the appeal lies may direct transmission to it ofanyappealwithheld,andthereuponsuchappealshallbetransmittedtothat authority together- with the comments of the authority withholding the appeal and therelevantrecords -

(6) Consideration of appeals - (1) In the case of anappealagainst an order of suspension, the appellate authority shall consider whether in the light of the provisions of regulation 30 and having regard to the circumstances of the case, the order ofsuspension is justifiedornot and confirm orrevokethe orderaccordingly.

(क) क्या इन विनियमों तथा अनुसूची ।।। मंे निर्धारित प्रक्रिया का अनुपालन किया x;kgS और ;fnugha तो D;k slsvikyudsifj.kkLo:iU;k;kबाधि

(ख) D;k fu"d"kZ U;k;laxr gaS और

(ग) क्या अधिरोपित सजा अधिक, पर्याप्त अथवा अपर्याप्त है, और आदेश पारित dj--1% &

(i) mlltkको[kkfjtdjrsgq,]?kVkrsgq,]laiq"Vdjrsgq,vFkokc<+krs gq,vFkok

(ii) उस केस को उस प्राधिकारी जिसने सजा अधिरोपित की है अथवा अन्य किसी

c'krsZ fd %&

(i) वह अपीलीय प्राधिकारी कोई बढ़ाई हुई सजा अधिरोपित नहीं करेगा जो न तो वैसा प्राधिकारी है और न ही वह प्राधिकारी है जिसने वह आदेश निर्गत किया

(24)

(ii) कोई बढ़ाई हुई सजा अधिरोपित करने वाला कोई आदेश तब तक पारित नहीं fd;ktk,xktcrdvihydrkZकोogvH;kosnunkf[kydjusdk

(iii) ;fn;gc<+kbZgqbZ ltkftlsogvihyh;प्राधिकारीअधिरोपितdjusds लिए प्रस्तावित करें, विनियम 31 के खंड (iv) ls (vii) मे विनिर्दिष्ट

(2) Inthecas
penalties specified inregulation

(a) Whethe
III

(b) Whethe

(c) Whethe
an

(i

(i

Provided that :-

(i

(ii) no order i

(iii)

directtha

) सजाओं मे से कोई सजा हो और ऐसी सजा अधिरोपित करने के लिए निर्धारित प्रक्रिया के vuq:imldslesaigysकोईtkapughacSBkbZxbZहो,तोogvi hyh; प्राधिकारी अनुसूची ।।। के परिच्छेद ६ के अनुसार

considerati

fofu;e37easfofufnZ"Vfdlhvkns'kdsfo:)fdlhvihydhfLFkfresao g अपीलीय प्राधिकारी उस केस की सभी परिस्थितियांे पर विचार करेगा और वैसे आदेश पारित करेगा जैसे वह न्यायोचित एवं निष्पक्ष समझे।

(3) Inthecaseof an appeala appllateauthorityshallconsideral orders as itdeemjustandequitabl

* mica/k (iii) में शब्द ‘‘उस अपीलकर्ता को अभ्यावेदन दाखिल जिसे वह ऐसी सजा के विरूद्ध करना चाहे, का अवसर देने के बाद’’ सा.का.नि. 491 दिनांक 18.6.1988 के आलोक में लुप्त।

* In proviso (iii) the words" and after giving the appellant an opportunity of making any representation which he may wish to make against such penalty " omitted vide G.S.R. 491 dated : 18.6.1988.

(25) (25)